अध्याय - 4 भारत में खाद्य सुरक्षा

पाठ के मुख्य बिन्दु

- किसी भी देश की खाद्य सुरक्षा तब सुनिश्चित होती है। जब उसके सभी नागरिकों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध होता है ।
- सभी व्यक्तियों के पास उच्च गुणवत्ता के खाद्य खरीदने का सामर्थ्य हो, और भोजन तक पहुंचने में कोई रुकावट ना हो।
- निर्धनता रेखा से नीचे रह रहे लोग खाद्य की दृष्टि से सदैव ही असुरक्षित रहते हैं । जबकि संपन्न लोग भी आपदाओं के समय खाद्य दृष्टि से असुरक्षित हैं।
- भारत में लोगों का एक बड़ा भाग खाद्य और पोषक तत्वों की असुरक्षा से ग्रस्त है।
- खाद्य असुरक्षा से सबसे अधिक प्रभावित समूह ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन और गरीब परिवार ,बहुत कम वेतन वाले कार्यों में लगे लोग और शहरी क्षेत्र में मौसमी कार्यों में लगे अनियमित श्रमिक हैं ।
- आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों में जहां गरीबी बहुत अधिक है । जनजातीय वाले व दूरस्थ इलाकों तथा ऐसे क्षेत्रों में जहां प्राकृतिक आपदाएं आती रहती है। खाद्य असुरक्षा ज्यादा है।
- समाज के सभी वर्गों के लिए खाद्य की उपलब्धता तय करने के लिए भारत सरकार ने सावधानी पूर्वक खाद्य सुरक्षा प्रणाली है जिसके दो पहलू हैं :-
  1. बफर स्टॉक
  2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली

  सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अतिरिक्त कई निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं, जिनमें खाद्य सुरक्षा घटक भी शामिल है।
- सरकार बफर स्टॉक इसलिए बनाती है, ताकि समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से कम कीमत पर अनाज वितरित किया जा सके।
- भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गों में वितरित करती है, इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली कहते हैं।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भारत सरकार की सर्वाधिक महत्वपूर्ण कदम है।
- समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से कम कीमत पर जब अनाज का वितरण किया जाता है, तो उस कीमत को निर्गम कीमत कहते हैं ।
- 2000 ईस्वी में सरकार द्वारा अन्नपूर्णा योजना चलाया गया, जिसमें दीन वरिष्ठ नागरिकों को 10 किलोग्राम निःशुल्क खाद्यान्न दिया जाना था।
- 2002 में अंत्योदय अन्न योजना की शुरुआत की गई। जिसमें निर्धनों में सबसे निर्धन लोगों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाना था, जिसमें गेहूं की निर्गम कीमत 2₹और चावल की निर्गम कीमत₹3 थी।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सभी लोगों के लिए सदैव भोजन उपलब्ध करवाना क्या कहलाता है?

a. खाद्यान्न b. खाद्य सुरक्षा
c. भोजन d. सभी

2. खाद्य पदार्थों को प्राप्त करने का सामर्थ्य क्या कहलाता है?

a. खाद्यान्न b. खाद्य सुरक्षा
c. भोजन d. इनमें से कोई नहीं।

3. खाद्य सुरक्षा मुख्यतः किस पर निर्भर करती है?

a. बाजार
b. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
c. उत्पादन
d. व्यापार

4. सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन कौन करता है?

a. सरकार b. किसान
c. व्यापारी d. उपर्युक्त सभी।

5. खाद्य सुरक्षा के खतरे की स्थिति का सामना कौन करता है?

a. सरकार b. किसान
c. व्यापारी d. इनमें से कोई नहीं।

6. समाज का कौन सा वर्ग खाद्य असुरक्षा का सामना करता है?

a. मध्यम वर्ग b. गरीब
c. उच्च वर्ग d. उपर्युक्त सभी।

7. निर्धनता रेखा से ऊपर के लोग कब खाद्य असुरक्षा का सामना करते हैं?

a. अकाल में b. सामान्य स्थिति में
c. आपातकालीन स्थिति में d. उपर्युक्त सभी।

8. खाद्य सुरक्षा में किसने नया आयाम जोड़ा?

a. हुसैन अली b. अमर्त्य सेन
c. इनमें से दोनों d. इनमें से कोई नहीं।

9. विश्व खाद्य शिखर सम्मेलन कब किया गया?

a. 1990 b. 1995

c. 1992 d. 1994

10. खाद्य पदार्थों की कमी के कारण कीमतें क्या हो जाती है?

a. कम b. सामान्य

c. बढ़ d. इनमें से कोई नहीं।

11. व्यापक भुखमरी से किस चीज की स्थिति बन सकती है?

a. मानसून b. सामान्य

c. अकाल d. इनमें से कोई नहीं।

12. भारत में सबसे भयानक अकाल कब पड़ा था?

a. 1940 b. 1943

c. 1945 d. 1942

13. भारत में सबसे भयंकर अकाल किस राज्य में पड़ा है?

a. बंगाल b. पंजाब

c. राजस्थान d. हरियाणा

14. बंगाल के अकाल में लगभग कितने लोग मारे गए?

a. 30 लाख b. 10 लाख

c. 20 लाख d. 40 लाख

15. बंगाल में 1938 में लगभग कितना चावल का उत्पादन होता था?

a. 50 लाख टन b. 70 लाख टन

c. 85 लाख टन d. 90 लाख टन

16. बंगाल में अकाल का प्रमुख कारण किस खाद्य पदार्थ की कमी से हुआ था?

a. चावल b. गेहूं

c. गन्ना d. उपर्युक्त सभी।

17. गरीबों को रियायती दर पर सामान दिलाने में मदद कौन करता है?

a. पीला कार्ड b. हरा कार्ड

c. लाल कार्ड d. नीला कार्ड

18. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को किसकी जीवन रेखा कहा जाता है?

a. अमीरों की b. गरीबों की

c. मध्यम वर्ग d. इनमें से कोई नहीं।

19. खाद्य की दृष्टि से सुरक्षित होने पर क्या समाप्त हो जाती है?

a. बेरोजगारी b. गरीबी

c. भुखमरी d. इनमें से कोई नहीं।

20. भुखमरी कितने प्रकार की होती है?

a. 4 b. 2

c. 8 d. 3

21. भुखमरी कौन से प्रकार की होती है?

a. स्थाई और अस्थाई b. मौसमी और दीर्घकालिक

c. इनमें से दोनों d. इनमें से कोई नहीं।

22. भारत में हरित क्रांति का उद्भव किस फसल से हुआ?

a. चावल b. गेहूं

c. गन्ना d. कपास

23. 'गेहूं क्रांति 'शीर्षक से कब विशेष डाक टिकट जारी किया गया?

a. 1960 b. 1968

c. 1860 d. 1965

24. 1968 में यह विशेष डाक टिकट किसके द्वारा जारी किया गया?

a. अटल बिहारी b. गुजराल

c. जवाहरलाल नेहरू d. सोनिया गांधी

25. गेहूं के उत्पादन के बाद किस फसल पर जोर दिया गया?

a. चावल b. गन्ना

c. मूंगफली d. कपास

26. आज भारत खाद्यानों के विषय में इनमें से क्या बन चुका है?

a. कंगाल b. आत्मनिर्भर

c. बहुत अमीर d. कोई नहीं

27. अनाज के अतिरिक्त उत्पादन का भंडारण क्या कहलाता है?

a. स्टोर b. गोदाम

c. बफर स्टॉक d. भंडार

28. भारत में बफर स्टॉक का कार्य कौन करता है?

a. भारतीय बीज निगम

b. भारतीय खाद्य निगम

c. इनमें से दोनों

d. इनमें से कोई नहीं।

29. किसानों को उनकी फसल के लिए पहले से घोषित कीमतों पर खरीदने को क्या कहते हैं?

a. न्यूनतम मूल्य

b. निर्धारित मूल्य

c. न्यूनतम समर्थित मूल्य

d. इनमें से कोई नहीं।

30. सरकार द्वारा कम से कम कीमत पर सामान बेचना क्या कहलाता है?

a. वितरण b. निर्गम कीमत

c. बाजार d. उपर्युक्त सभी।

31. आपदा काल में अनाज की कमी की समस्या को कौन हल करता है?

a. बफर स्टॉक b. गोदाम

c. भंडार d. इनमें से कोई नहीं।

32. देशभर में लगभग कितनी राशन की दुकानें हैं?

a. 5.4लाख b. 4.6 लाख

c. 6.4 लाख d. 7.6 लाख

33. इन राशन की दुकानों को क्या कहा जाता है?

a. सरकारी दुकान
b. उचित दर वाले दुकान
c. इनमें से दोनों
d. इनमें से कोई नहीं।

34. इन राशन की दुकानों में कितना अनाज एक पीले कार्ड वाले परिवार को दिया जाता है?

a. 25 किलो
b. 20 किलो
c. 35 किलो
d. 40 किलो

35. इन राशन की दुकानों में कितना मिट्टी का तेल एक पीले कार्ड वाले परिवार को दिया जाता है?

a. 10 लीटर
b. 15 लीटर
c. 5 लीटर
d. 25 लीटर

36. इन राशन की दुकानों में कितनी चीनी एक पीले कार्ड वाले परिवार को दिया जाता है?

a. 5 किलो
b. 10 किलो
c. 20 किलो
d. 15 किलो

37. राशन कार्ड कितने प्रकार के होते हैं?

a. 5
b. 4
c. 3
d. 6

38. निर्धन से निर्धन परिवार के लिए कौन सा कार्ड बनाया गया है?

a. पीला कार्ड
b. नीला कार्ड
c. हरा कार्ड
d. अंत्योदय कार्ड

39. निर्धनता रेखा से नीचे के परिवार के लिए कौन से कार्ड बनाए गए हैं?

a. ए.पी.एल
b. बी.पी.एल
c. सी.पी.एल
d. डी.पी.एल

40. अन्य लोगों के लिए कौन से कार्ड बनाए गए हैं?

a. डी.पी.एल
b. ए.पी.एल
c. सी.पी.एल
d. इनमें से कोई नहीं।

41. भारत में राशन व्यवस्था की शुरुआत कब हुई?

a. 1930
b. 1940
c. 1932
d. 1935

42. भारत में राशन प्रणाली की शुरुआत किस राज्य से हुई?

a. हरियाणा
b. पंजाब
c. बंगाल
d. राजस्थान

43. राशन प्रणाली को दोबारा कब शुरू किया गया?

a. 1940
b. 1960
c. 1950
d. 1955

44. 1970 के बाद और अधिक मजबूत किया गया?

a. महंगाई को
b. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
c. गरीबी को
d. बेरोजगारी को

45. आई.सी.डी.एस की शुरुआत कब की गई।

a. 1975
b. 1980
c. 1970
d. 1985

46. एफ. एफ. डब्ल्यू की शुरुआत कब की गई?

a. 1970
b. 1978
c. 1975
d. 1972

47. पी.ए.एफ का पूरा नाम क्या है?

a. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
b. रोजगार उन्मुख कार्यक्रम
c. गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम
d. इनमें से कोई नहीं।

48. टी.पी डी.एस. की शुरुआत सरकार द्वारा कब शुरू की गई?

a. 1990
b. 1997
c. 1992
d. 1994

49. अन्नपूर्णा योजना कब लागू की गई?

a. 1996
b. 1998
c. 2000
d. 2002

50. अंत्योदय अन्न योजना को कब लागू किया गया?

a. 2000
b. 2002
c. 2001
d. 2004

51. लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली को कब शुरू किया गया है?

a. 1992
b. 1997
c. 1995
d. 1993

52. अंत्योदय अन्न योजना को किसके लिए लागू किया गया?

a. सामान्य
b. निर्धन से निर्धन
c. गरीब
d. मध्यम

53. अन्नपूर्णा योजना को किसके लिए लागू किया गया?

a. बच्चों
b. महिलाओं
c. वरिष्ठ नागरिक (गरीब)
d. उपर्युक्त सभी।

54. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को किसके लिए लागू किया गया?

a. पुरुषों के लिए
b. महिलाओं के लिए
c. गरीबों के लिए
d. उपर्युक्त सभी।

55. संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली किसके लिए लागू की गई?

a. अत्यंत गरीब
b. सबके लिए
c. पिछड़े लोगों के लिए
d. उपर्युक्त सभी।

56. 2002 में एफसीआई के पास अनाज का कितना भंडार था?

a. 4.3 करोड़ टन
b. 3.3 करोड़ टन
c. 6.3 करोड़ टन
d. 5.7 करोड़ टन

57. कौन से अनाज गरीबों का मुख्य भोजन है?

a. छोटे अनाज b. पतले अनाज

c. मोटे अनाज d. इनमें से कोई नहीं।

58. दिल्ली में उपभोक्ताओं को दूध की आपूर्ति कौन करता है?

a. दिल्ली दुग्ध निगम b. मदर डेयरी

c. दिल्ली फॉर्म d. उपर्युक्त सभी।

59. सार्वजनिक वितरण प्रणाली मुख्यतः किन दो अनाजों तक सीमित है?

a. कपास और गन्ना b. गेहूं और चावल

c. चावल और मूंगफली d. उपर्युक्त सभी।

60. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सबसे अधिक किसे फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है?

a. सबको b. सिर्फ बच्चों को

c. अति गरीब को d. इनमें से किसी को नहीं

61. सार्वजनिक वितरण प्रणाली से कितना अनाज उपभोक्ताओं को दिया जाता है?

a. अधिक b. बहुत अधिक

c. बहुत कम d. इनमें से कोई नहीं।

62. चावल की कृषि के लिए अधिक आवश्यकता होती है?

a. बीजों की b. मजदूरों की

c. जल d. इनमें से कोई नहीं।

63. दक्षिण भारत की मुख्य खाद्यान्न फसल क्या है?

a. गेहूं b. चावल

c. कपास d. गन्ना

64. उत्तर भारत की मुख्य खाद्यान्न फसल क्या है?

a. चावल b. कपास

c. गेहूं d. मूंगफली

65. भारत के कौन से राज्य अति गरीब माने जाते हैं?

a. बंगाल b. बिहार

c. उड़ीसा d. उपरोक्त सभी

66. खाद्यान्न उत्पादन में सबसे आगे कौन सा राज्य है?

a. बिहार b. पंजाब

c. बंगाल d. उड़ीसा

67. खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब के बाद कौन सा राज्य है?

a. बिहार b. उड़ीसा

c. बंगाल d. हरियाणा

68. बफर स्टॉक में सबसे अधिक अनाज किन राज्यों में आता है?

a. उड़ीसा, बिहार

b. बंगाल, गोवा

c. पंजाब, हरियाणा

d. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

69. अकाल में कौन सा भंडार काम आता है?

a. भंडार b. गोदाम

c. बफर स्टॉक d. स्टोर

70. वर्ष 2000 में ग्रामीण क्षेत्र में कितने प्रतिशत लोग दीर्घकालिक भुखमरी के शिकार थे?

a. 0.7% b. 0.9%

c. 2.7% d. 2.9%

71. वर्ष 2000 में शहरी क्षेत्र में कितने प्रतिशत लोग दीर्घकालिक भुखमरी के शिकार थे?

a. 3.13% b. 0.3%

c. 2.13% d. 3.17%

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1.b 2.b 3.b 4.a 5.a 6.b 7.c 8.b 9.b 10.c 11.c 12.c
13.a 14.a 15.c 16.a 17.a 18.b 19.c 20.b 21.b 22.b
23.b 24.c 25.a 26.b 27.c 28.b 29.c 30.b 31.a 32.b
33.b 34.c 35.c 36.a 37.c 38.d 39.b 40.b 41.b 42.c
43.b 44.b 45.a 46.b 47.c 48.b 49.c 50.a 51.b 52.b
53.c 54.c 55.c 56.c 57.c 58.b 59.b 60.c 61.c 62.c
63.b 64.b 65.d 66.b 67.d 68.c 69.c 70.a 71.b

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. खाद्य सुरक्षा का क्या अर्थ है?

उत्तर- खाद्य सुरक्षा का अर्थ सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुंच और उसे प्राप्त करने की सामर्थ्य से है।

2. बफर स्टॉक क्या है?

उत्तर- यह भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्तअनाज,गेहूं और चावल का भंडार है,जिससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

3. न्यूनतम समर्थित कीमत किसे कहते हैं?

उत्तर- भारतीय खाद्य निगम अधिशेष उत्पादन वाले राज्यों में किसानों से गेहूं और चावल खरीदता है। किसानों को उनकी फसल के लिए पहले से घोषित कीमतें दी जाती है ।इस मूल्य को न्यूनतम समर्थित कीमत कहते हैं।

4. निर्गम कीमत किसे कहते हैं?

उत्तर- सरकार द्वारा जब गरीबों को बाजार कीमत से कम कीमत पर अनाज का वितरण किया जाता है, तो इस कीमत को निर्गम कीमत कहते हैं।

5. उचित दर की दुकान किसे कहते हैं?

उत्तर- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन की इन दुकानों को उचित दर की दुकान कहते हैं। जिसमे चीनी, खाद्यान्न और खाना

पकाने के लिए मिट्टी के तेल का भंडार होता है। यह सब बाजार कीमत से कम कीमत पर लोगों को बेचा जाता है।

6. सहायिकी (सब्सिडी) क्या है?

उत्तर- यह वह भुगतान है जो सरकार द्वारा किसी उत्पादक को बाजार कीमत की अनुपूर्ति के लिए किया जाता है।

7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली किसे कहते हैं?

उत्तर- भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार जब विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गों में वितरित करती है, तो उसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली कहते हैं ।

8. भारत में सबसे भयानक अकाल कब पड़ा?

उत्तर- वर्ष 1943 में बंगाल में सबसे भयानक अकाल पड़ा।

9. बंगाल के अकाल में कितने लोग मारे गए?

उत्तर- बंगाल के अकाल में लगभग 30 लाख लोग मारे गए।

10. हरित क्रांति क्या है?

उत्तर- स्वतंत्रता के बाद खाद्यान्न जैसे गेहूं व चावल के उत्पादन में आधुनिक विधियां अपनाने से रिकॉर्ड वृद्धि हुई, जिसे हरित क्रांति का नाम दिया गया।

11. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सन 2000 में कौन सी दो महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई?

उत्तर- 1. अंत्योदय अन्न योजना

2. अन्नपूर्णा योजना

12. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने कौन-कौन से कार्यक्रम बनाएं?

उत्तर- 1. एफसीआई का गठन करना उसके माध्यम से बफर स्टॉक का गठन

2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत न्यूनतम मूल्य की दुकानें खोलना।

13. NSSO की रिपोर्ट के अनुसार खाद्य संबंधी कौन-कौन से कार्यक्रम शुरू किए गए?

उत्तर- 1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली

2. एकीकृत बाल विकास सेवाएं

3. काम के बदले अनाज

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सरकार बफर स्टॉक क्यों बनाती है?

उत्तर- सरकार बफर स्टॉक इसलिए बनाती है,ताकि कमी वाले क्षेत्र में और समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से कम कीमत पर अनाज वितरित किया जा सके, इसमें खराब मौसम में या फिर आपदा काल में अनाज की कमी की समस्या हल करने में काफी मदद मिलती है।

2. भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है?

उत्तर- भारत में खाद्य सुरक्षा केवल तभी सुनिश्चित होती है जब:-

क. सभी लोगों के लिए पर्याप्त खाद्य उपलब्ध हो।

ख. सभी लोगों के पास स्वीकार्य गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ खरीदने की क्षमता हो।

ग. खाद्य की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं हो।

3. क्या आप जानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है? कैसे?

उत्तर- हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बना दिया है। गेहूं और चावल की उपज में पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश में कई गुना वृद्धि हुई है। क्योंकि इन प्रदेशों में खेतों में एच.वाई.वी बीजों का प्रयोग हुआ है। खाद्यान्नों की उपज में अत्यधिक वृद्धि ने भारत को आत्मनिर्भर बना दिया ।जो हरित क्रांति का ही परिणाम है।

4. भारत में लोगों का एक वर्ग अब भी खाद्य से वंचित है? व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारत में लोगों का एक वर्ग अब भी जो खाद्य से वंचित है । वह गर्भवती तथा दूध पिला रही महिलाओं तथा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का है। इसके अतिरिक्त देश के कुछ क्षेत्रों जैसे आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य जहां गरीबी अधिक है, आदिवासी और सुदूर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं से बार-बार प्रभावित होने वाले क्षेत्र आदि भी खाद्य से वंचित है।

5. राशन की दुकानों के संचालन में क्या-क्या समस्याएं हैं?

उत्तर- राशन की दुकानों के संचालन में जो समस्याएं आ रहे हैं, वह पी.डी.एस डीलर के कारण है, क्योंकि पी.डी.एस डीलर अधिक लाभ कमाने के लिए अनाज को खुले बाजार में बेचते हैं। तथा राशन की दुकानों में घटिया अनाज बेचते हैं, राशन दुकानों में घटिया किस्म के अनाज का पड़ा रहना आम बात है जो बिक नहीं पाता ।दूसरी समस्या तीन प्रकार के कार्ड और कीमतो की शृंखला के कारण भी आ रही है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भुखमरी क्या है? यह कितने प्रकार की होती है? व्याख्या करें ।

उत्तर- विभिन्न खाद्यान्नों की कमी यदि अधिक विस्तृत क्षेत्र में आती है, और यह लंबे समय तक लगी रहती है,तो भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

भुखमरी दो प्रकार की होती है:-

क. मौसमी भुखमरी

ख. दीर्घकालिक भुखमरी

क. **मौसमी भुखमरी:-** मौसमी भुखमरी फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंध है। इस प्रकार की भुखमरी ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य रूप से कृषि कार्यों की मौसमी प्रकृति के कारण उत्पन्न होती है ।यह नगरीय क्षेत्रों में अनियमित श्रम के कारण होती है। जैसे बरसात के मौसम में अनियमित निर्माण श्रमिक को कम काम मिलता है। इस तरह की भुखमरी तब होती है, जब कोई व्यक्ति पूरे वर्ष काम पाने में असमर्थ रहता है।

ख. **दीर्घकालिक भुखमरी:-** दीर्घकालिक भुखमरी निरंतर अपर्याप्त ,असुरक्षित एवं अपौष्टिक आहारों के कारण होती है। गरीब लोग अपनी अत्यंत निम्न एवं अनियमित आय के कारण दीर्घकालिक भुखमरी से पीड़ित होते हैं । जो जीवित रहने के लिए भी खाद्य पदार्थ खरीदने में असमर्थ होते हैं।

2. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या किया है?सरकार की ओर से शुरू की गई किन्ही दो योजनाओं की चर्चा करें।

उत्तर- गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने विभिन्न योजनाएं शुरू की है, जिसमें कम लागत पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाए जाते हैं। इन संदर्भ में सरकार की ओर से शुरू की गई दो योजनाएं निम्नलिखित है:-

क. लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली:-

सरकार ने जून 1997 से सभी क्षेत्रों में गरीबी को लक्षित करने के सिद्धांत को अपनाने के लिए इस योजना को शुरू किया है ।इसमें पहली बार निर्धनों और गैर निर्धनों के लिए विभेदक कीमत नीति अपनाई गई है ।इसमें गरीबों को जो गरीबी रेखा से नीचे हैं उन्हें 35 किलोग्राम तक खाद्यान्न 2.50 रुपए प्रति किलो गेहूं तथा 3 .50 रुपए प्रति किलो चावल उपलब्ध करवाए जाते हैं।

ख. अंत्योदय अन्न योजना:-

सरकार ने 2000 से निर्धनों में सबसे निर्धन के लिए इस योजना को शुरू किया है, जिसमें उन्हें 35 किलोग्राम खाद्यान्न (गेहूं ₹2 प्रति किलो तथा चावल ₹3 प्रति किलो) सस्ते दामों में उपलब्ध करवाने का प्रावधान है।

3. खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियां की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर- भारत में खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियां के महत्वपूर्ण भूमिका है ।यह निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दुकाने खोलती हैं। जैसे :-

क. तमिलनाडु में जितनी राशन की दुकानें हैं ,उनमें से 94% सहकारी समितियां के माध्यम से चलाई जा रही है।

ख. दिल्ली में मदर डेयरी उपभोक्ताओं को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित नियंत्रित दरों पर दूध और सब्जियां उपलब्ध करवाने में तेजी से प्रगति कर रही है।

ग. गुजरात में दूध और दूध उत्पादों में अमूल एक और सफल सहकारी समिति का उदाहरण है।

घ. महाराष्ट्र में एकेडमी ऑफ डेवलपमेंट साइंस (ए.डी.एस) ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनाज बैंकों की स्थापना के लिए गैर सरकारी संगठनों के नेटवर्क में सहायता की है । यह अनाज बैंक अब धीरे-धीरे महाराष्ट्र के सभी भागों में खुलते जा रहे हैं। अतः देश के विभिन्न भागों में विभिन्न सहकारी समितियां से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कराई है।